

प्रेषक,

ओम प्रकाश,
प्रमुख सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
चिकित्सा शिक्षा, निदेशालय
उत्तराखण्ड, देहरादून।

चिकित्सा शिक्षा अनुभाग-1

देहरादून: दिनांक 22 मार्च, 2016।

विषय:- राजकीय मेडिकल कालेज, श्रीनगर के अन्तर्गत मढ़ी कालोनी चौरास परिसर में 200 बैड नर्सिंग हॉस्टल के निर्माण कार्य हेतु प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक शासनादेश संख्या- 3604/XXVIII(1)/2015-19/2006 T.C दिनांक 07 नवम्बर, 2015 एवं आपके पत्र संख्या- 26प/चि0शि0/154/2014/1317 दिनांक 15.03.2016 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि राजकीय मेडिकल कालेज, श्रीनगर के अन्तर्गत मढ़ी कालोनी चौरास परिसर में 200 बैड नर्सिंग हॉस्टल के निर्माण कार्य हेतु टी0ए0सी0 वित्त एवं व्यय वित्त समिति द्वारा परीक्षणोपरान्त औचित्यापूर्ण/संस्तुत धनराशि रु0 977.29 लाख एवं उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली 2008 के अनुसार धनराशि रु0 43.95 लाख इस प्रकार कुल रु0 1021.21 लाख (रु0 दस करोड़ इक्कीस लाख इक्कीस हजार मात्र) की धनराशि की प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान करते हुए रु0 50.00 लाख को सम्मिलित करते हुये वर्तमान वित्तीय वर्ष 2015-16 में आयोजनगत पक्ष में एम्स की स्थापना हेतु आधारभूत संरचना के लिये राज्य सरकार की सहायता मद संख्या-4210-03-105-07-24 में प्राविधानित बजट 2.00 करोड़ एवं राजकीय मेडिकल कालेज हल्द्वानी की स्थापना की मद संख्या-4210-03-105-09-24 में प्राविधानित बजट 15.80 करोड़ के सापेक्ष रु0 2.50 करोड़ की बचत के दृष्टिगत संलग्न बी0एम0 -09 (एक) के विवरणानुसार राजकीय मेडिकल कालेज, श्रीनगर की स्थापना मानक मद संख्या 4210-03-105-03 में पुर्नगृहीत करते हुये वित्तीय वर्ष 2014-15 में भारत सरकार के विशेष योजनागत सहायता (SPA) के अन्तर्गत राजकीय मेडिकल कॉलेज, श्रीनगर के अधीन मढ़ी कालोनी चौरास परिसर स्थित 200 बैड नर्सिंग हॉस्टल के कार्य हेतु धनराशि 90 प्रतिशत केंद्रांश के रूप रु0 4,05,00,000/- तथा 10 प्रतिशत राज्यांश के रूप में 45,00,000/- इस प्रकार कुल धनराशि ₹ 4,50,00,000.00 (रु0 चार करोड़ पचास लाख मात्र) की चालू वित्तीय वर्ष 2015-16 में पुर्नगृहीत कर संगत मद में प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान करते हुए उक्त के सापेक्ष इतनी ही धनराशि व्यय किये जाने की श्री राज्यपाल महोदय निम्नलिखित शर्तों/प्रतिबन्धों के अधीन सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

1. उक्त व्यय उसी मद में किया जायेगा, जिसके लिए स्वीकृत किया जा रहा है। इस संबंध में समस्त प्रचलित वित्तीय नियमों/शासनादेश का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।
2. कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित्र पर सक्षम अधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी आवश्यक होगी।
3. कार्य पर मदवार उतना ही व्यय किया जाए जितनी मदवार धनराशि स्वीकृत की गयी है। स्वीकृति धनराशि से अधिक व्यय कदापि न किया जाए।

4. कार्य करने से पूर्व समस्त औपचारिकताएं तकनीकी दृष्टि को मध्यनजर रखते हुए एवं विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों को ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्य को सम्पादित करना सुनिश्चित करें।
5. निर्माण सामग्री को उपयोग में लाने से पूर्व सामग्री का परीक्षण प्रयोगशाला से अवश्य करा लिया जाए तथा विशिष्टियों के अनुरूप सामग्री ही प्रयोग में लायी जाए।
6. कार्य करने से पूर्व उच्चाधिकारियों एवं भूगर्भवेत्ता (कार्य की आवश्यकतानुसार) से कार्य स्थल का भली-भांति निरीक्षण अवश्य करा लिया जाए तथा निरीक्षण के पश्चात दिये गये निर्देशों के अनुरूप कार्य कराया जाए।
7. विस्तृत आगणन से प्राविधानित डिजाइन एवं मात्राओं हेतु संबंधित कार्यदायी संस्था पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगी।
8. स्वीकृत विस्तृत आगणन के प्राविधानों एवं तकनीकी स्वीकृति के आगणन के प्राविधानों में परिवर्तन (केवल अपरिहार्य स्थिति की दशा में ही) करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की सहमति अनिवार्य रूप से प्राप्त कर ली जाए। कार्य की प्रगति की निरंतर व गहन समीक्षा करते हुये कार्य को निर्धारित समयसारिणी के अनुसार समयबद्ध रूप से पूर्ण करते हुए भवन विभाग को हस्तगत कराया जाना सुनिश्चित किया जायेगा। विलम्ब या अन्य किसी भी दशा में आगणन पुनरीक्षण पर विचार नहीं किया जायेगा। उक्त कार्य के संबंध में वित्त विभाग के शासनादेश संख्या-475/XXVII(7)/2008 दिनांक 15.12.2008 के अनुसार निर्धारित प्रपत्र पर कार्यदायी संस्था से एमओयू अवश्य हस्ताक्षरित किया जाना सुनिश्चित किया जायेगा।
9. उत्तर प्रदेश राजकीय निर्माण निगम द्वारा डीओएसओआर की दरों के आधार पर आगणन तैयार किया जा रहा है तथा उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली 2008 का अनुपालन नहीं किया जा रहा है। अतः इस शर्त के साथ स्वीकृति दी जाती है कि कार्यदायी संस्था उत्तर प्रदेश राजकीय निर्माण निगम अपने कार्य प्रदर्शिका, वित्तीय हस्तपुस्तिका तथा डीओएसओआर के नियमों का अक्षरशः पालन करेंगी तथा सुनिश्चित करेंगी कि त्रुटिवश कोई फाइनेशियल डुप्लीकेसी हुई हो तो उसका तत्काल निराकरण करेंगी।
10. योजना को इस तरह डिजाइन किया जाय कि सम्पूर्ण कार्य भिन्न-भिन्न ब्लॉकों में सम्पादित कराया जा सके तथा एसपीओए के अन्तर्गत अनुमोदित रु० 5.00 करोड़ के सापेक्ष एक ब्लॉक का कार्य पूर्ण हो सके। जबकि अन्य ब्लॉकों के शेष कार्यों हेतु शेष धनराशि की व्यवस्था भारत सरकार की किसी अन्य योजना से कराने का प्रयास किया जायेगा तथा तदोपरान्त की शेष कार्यों हेतु प्रस्ताव किया जाय।
11. मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या- 2047/XIV-219(2006) दिनांक 30.05.2006 द्वारा निर्गत आदेशों का कड़ाई से पालन किया जाए।
12. आगणन गठित करते समय तथा कार्य प्रारम्भ कराने से पूर्व उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली, 2008 का अनुपालन सुनिश्चित करें।
- 2- उक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2015-16 के आय-व्ययक में अनुदान संख्या-12 के लेखाशीर्षक-4210-चिकित्सा तथा लोक स्वास्थ्य पर पूंजीगत परिव्यय-03-चिकित्सा शिक्षा, प्रशिक्षण तथा अनुसंधान-105-एलोपैथी-03-राजकीय मेडिकल कालेज श्रीनगर की स्थापना के मानक मद- 24-वृहत निर्माण कार्य के नामे डाला जायेगा।
- 3- यह आदेश वित्त अनुभाग-3 उत्तराखण्ड शासन के अशा० सं०- 427(P)/XXVII(3)/2016, दिनांक 21 मार्च, 2016 में प्राप्त सहमति से जारी किये जा रहे हैं।
- 4- उपरोक्त वित्तीय स्वीकृति संबंधी ऑन लाइन बजट कम्प्यूटर अलोटमेंट आईडी० संख्या-~~049/XXVII(3)/16-01/6 TC-1~~ दिनांक-28 मार्च, 2015 के अन्तर्गत की जा रही है।
- संलग्नक-यथोपरि।

भवदीय,

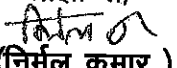
(ओम प्रकाश)

प्रमुख सचिव।

५०/१६
संख्या एवं दिनांक तदैव।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित—

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, ओबराय बिल्डिंग, माजरा, देहरादून।
2. आयुक्त, गढ़वाल मण्डल।
3. जिलाधिकारी, पौड़ी।
4. निदेशक, कोषागार, उत्तराखण्ड, 23 लक्ष्मी रोड, देहरादून।
5. संबंधित कोषाधिकारी।
6. प्राचार्य, राजकीय मेडिकल कालेज, श्रीनगर गढ़वाल।
7. महाप्रबन्धक, उत्तर प्रदेश राजकीय निर्माण निगम, उत्तराखण्ड, देहरादून।
8. परियोजना प्रबंधक, उत्तर प्रदेश राजकीय निर्माण निगम लि०, श्रीनगर इकाई, श्रीनगर गढ़वाल।
9. बजट प्रकोष्ठ, सचिवालय परिसर, देहरादून।
10. वित्त अनुभाग-3/नियोजन विभाग/एन०आई०सी०, सचिवालय परिसर।
11. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(निर्मल कुमार)
अनु सचिव।

बजट आवंटन वित्तीय वर्ष - 20152016

Secretary, Medical Education (S031)

आवंटन पत्र संख्या - 849/XXVIII(1)/2016-19/2006 T.C I

अनुदान संख्या - 012

अलोटमेंट आई डी - S1603120497

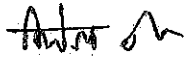
आवंटन पत्र दिनांक - 28-Mar-2016

HOD Name - Director Medical Education (2645)

- 1: लेखा शीर्षक 4210 - चिकित्सा तथा लोक स्वास्थ्य पर पूंजीगत परिव्यय 03 - चिकित्सा शिक्षा, प्रशिक्षण तथा अनुसंधान
105 - एलौपैथी 03 - श्रीनगर में मेडिकल कालेज की स्थापना
00 - श्रीनगर में मेडिकल कालेज की स्थापना

Plan Voted			
मानक मद का नाम	पूर्व में जारी	वर्तमान में जारी	योग
24 - ग्रहण निर्माण कार्य	10000000	45000000	55000000
	10000000	45000000	55000000

Total Current Allotment To Head Of The Department In Above Schemes - 45000000


(निर्मल कुमार)
अनु सचिव।

उत्तराखण्ड शासन
(वित्तीय वर्ष 2015-2016)
बी. एम. - 09

अनुदान संख्या - 012
पुनर्वित्तियोग स्वीकृति आदेश संख्या - 849/XXV/II(1)/16-19/06

बजेटमेंट आईडी - R1603120918
दिनांक - 22-Mar-2016

क्रम संख्या	वजेट प्राविधान तथा वेबसाइटिक (1)	मानक प्रसार वार्षिक व्यय (2)	वित्तीय वर्ष के अवधि में अनुमानित व्यय (3)	अवशेष सरजस्त समायोजित धनराशी (4)	लेखाधीन वित्तसे धनराशी स्थानान्तरित की जाती है (5)	पुनर्वित्तियोग के बाद स्तम्भ -5 की कुल धनराशी (6)	पुनर्वित्तियोग के बाद स्तम्भ -1 में कुल धनराशी	अतिशक्ति (In Rupees)
4210	विक्रिया तथा लोक स्वास्थ्य पर पूंजीगत पर 03 विक्रिया शिक्षा, प्रशिक्षण तथा अनुसंधान 105 एलपीसी 09 राजकीय मेडिकल कॉलेज हरद्वानी एवं 00 राजकीय मेडिकल कॉलेज हरद्वानी एवं (Plan Voted)				4210 विक्रिया तथा लोक स्वास्थ्य पर पूंजीगत पर 03 विक्रिया शिक्षा, प्रशिक्षण तथा अनुसंधान 105 एलपीसी 03 श्रीनगर मे मेडिकल कॉलेज की स्था 00 श्रीनगर मे मेडिकल कॉलेज की स्था (Plan Voted)			
1	24 - वृहत निर्माण कार्य 158000000	10000000	123000000	25000000	24 - वृहत निर्माण कार्य 25000000	55000000	133000000	
	योग			25000000	योग 25000000			

प्रमाणित किया जाता है कि पुनर्वित्तियोग से बजट मैनुअल के परिच्छेद 133, 134 में उल्लिखित प्राविधानों एवं सीमाओं का उल्लंघन नहीं होता है।

पुनर्वित्तियोग किये जाने हेतु प्रपत्र 09 की मूल प्रति वित्तीय डाटा सेक्टर 23- लक्ष्मी रोड डालनवाला, देहरादून को उपलब्ध करायी

उत्तराखण्ड शासन
(वित्तीय वर्ष 2015-2016)
बी.एस. - 09

बजट संख्या - 012
पुनर्वित्तियोग स्वीकृति आदेश संख्या - 849/XXV/II(1)/2016-19/2

बजट संख्या - R1603120914
दिनांक - 22-Mar-2016

(In Rupees)

क्रम संख्या	बजट प्राविधान तथा लेखावधिक (1)	मानक मरदार वषावधिक व्यय (2)	वित्तीय वर्ष के वषाविके अनुमानित व्यय (3)	अनुषेध सरवस समायोचित वषावशी (4)	वैवाचीक वषाव वषावशी स्थानावतित की वानी है (5)	पुनर्वित्तियोग के वार सस -5 की कुल वषावशी (6)	पुनर्वित्तियोग के वार सस -1 में कुल वषावशी	वषाविके
1	24 - वृहत निर्माण कार्य 20000000	0	0	20000000	24 - वृहत निर्माण कार्य 20000000	30000000	0	
	योग			200000000	योग 20000000			

प्रमाणित किया जाता है कि पुनर्वित्तियोग से बजट भैतुशल के परिच्छेद 133, 134 में उल्लिखित प्राविधानो एवं सीमाओं का उल्लंघन नहीं होता है।

पुनर्वित्तियोग किये जाने हेतु प्रपत्र 09 की मूल प्रति वित्तीय डाटा सेक्टर 23- लक्ष्मी रोड डालनवाला, देहरादून को उपलब्ध करायी